



# समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित

राष्ट्रीय सलाहकार संपादक श्री कृष्णराज अरुण, अध्यक्ष नार्थ जोन, न्यूज पेपर एसोसिएशन आफ इंडिया NAI दिल्ली 92



वर्ष: 1 अंक: 186 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 21 अप्रैल 2023 http://samajjagran.in पेज: 12 मूल्य 05 रुपये

## अरुणाचल-असम के बीच सीमा समझौता, गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सुलझा 51 साल पुराना विवाद

अलर्ट न्यूज सर्विस\* ANS) नई दिल्ली. असम और अरुणाचल प्रदेश की सरकारों ने गुरुवार को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में एक अंतर-राज्यीय सीमा विवाद के निपटारे के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए. असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम प्रेमा खांडू ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए. इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, "असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराज्यीय सीमा विवाद के समाधान के लिए समझौते पर हस्ताक्षर होना एक बहुत बड़ी उपलब्धि है. आज, हमने एक विकसित, शांतिपूर्ण और संघर्ष-मुक्त पूर्वोत्तर की स्थापना के लिए मील का पत्थर पार कर लिया है."

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, "1972 से लेकर इस विवाद को सुलझाया नहीं जा सका. 700 किलोमीटर से लंबी अरुणाचल



असम की सीमा विवाद को समाप्त कर दिया गया है. ये बहुत बड़ी उपलब्धि है इसके लिए मैं दोनों राज्यों की जनता उनके गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, लोगों की मुख्यमंत्रियों और किराणे रीजिजू जी को बधाई देता हूँ. 'विवाद मुक्त नार्थ ईस्ट मोदी जी का स्वप्न' गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, लोगों की राय ली गई, कमेटी बनाई गई तब जाकर रिपोर्ट न्यूज का साक्षी बनकर असम के कल्चर को प्रसिद्धि दिलाई. ये समझौता दोनों राज्यों की जनता के लिए शुभंकर साबित होगा.

विवाद का समाधान हुआ. उन्होंने कहा, "विवाद मुक्त नार्थ ईस्ट मोदी जी का एक स्वप्न है." अमित शाह ने कहा, असम मेघालय सीमा विवाद को समाप्त किया गया है. पूरे नार्थ ईस्ट के लिए शुभ लक्षण हैं, 8000 से ज्यादा युवा मेनस्ट्रीम में आ चुके हैं, पूर्वोत्तर में 67 फीसदी आतंकी घटनाओं में कमी आई है, इसके साथ ही आम नागरिकों की मौत की घटनाओं में 87 फीसदी की कमी आई है.

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 70 फीसदी नार्थ ईस्ट इलाकों से आफसा हटा लिया गया है. मोदीजी ने 50 बार से ज्यादा नार्थ ईस्ट की यात्रा की है. उन्होंने कहा, बीहू के रिपोर्ट न्यूज का साक्षी बनकर असम के कल्चर को प्रसिद्धि दिलाई. ये समझौता दोनों राज्यों की जनता के लिए शुभंकर साबित होगा.

## आर्मी जमीन घोटाला मामला अनुशासनिक कार्रवाई का आदेश जारी लैंड स्कैम में गिरफ्तार रिस्स कर्मी अफसर अली निलंबित

संजय सिंह, ब्यूरो चीफ सह प्रभारी, समाज जागरण, दक्षणी छोट्टा नागपुर प्रमंडल.



रांची (झारखंड) 20 अप्रैल 2023:- आर्मी की जमीन अवैध तरीके से बेचे जाने के आरोप में गिरफ्तार गिरफ्तार रिस्स रेडियोलॉजी विभाग के रेडियोग्राफर मो अफसर अली को निलंबित कर दिया गया है। उसे 13 अप्रैल की तारीख से निलंबित किया गया है। ईडी की ओर से इसी दिन रात आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया था, जिसमें से अफसर अली भी एक था। रिस्स की ओर से जारी की गयी सूचना में बताया गया है कि रेडियोलॉजी विभाग के रेडियोग्राफर मो अफसर अली को हिरासत में लिये जाने की तिथि के प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही अफसर अली के विरुद्ध आरोप पत्र गठित करते हुए, अनुशासनिक कार्रवाई करने का भी आदेश दिया गया है। झारखंड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2016 के कंडिका-9 (2) (क) में निहित प्रावधान के तहत यह निर्देश जारी किया गया है। फर्जी डीड बनाने

का मास्टरमाइंड है रिस्स कर्मी सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन बेचने में आसनसोल के प्रदीप बागची को किंग पिन बताया जा रहा है। क्योंकि बंगाल में रजिस्टर्ड अधिकतर जमीन की डीड बागची के पिता प्रफुल्ल बागची के नाम पर है। लेकिन समाज दैनिक जागरण जब ने इसकी पड़ताल की तो पता चला कि बागची दरअसल जमीन दलाल अफसर अली का रबड़ स्टांप के रूप में काम कर रहा था। जमीन का नेचर बदलने, खाता-प्लॉट या क्षेत्रफल बदलवाने से लेकर कोलकाता में फर्जी डीड तैयार करने का असली मास्टरमाइंड रिस्स के थर्ड ग्रेड का कर्मचारी अफसर अली उर्फ अम्पू खान है। दो साल से केवल नाइट ड्यूटी करने वाला केस में नाम आए अफसर अली

रिस्स का स्थायी कर्मचारी है रहने वाला बरियातू बस्ती राहत नर्सिंग होम के पास। अफसर अली कहने को तो रिस्स का थर्ड ग्रेड कर्मचारी है, लेकिन इसकी धाक ऐसी है कि करीब दो सालों से रिस्स में उसकी सिर्फ नाइट ड्यूटी लगती थी। कई बार एक महीने की उपस्थिति एक दिन में रजिस्टर में दर्ज कर महीने भर की सैलरी लेता था। रिस्स में भी उसका रवेया अजीब रहा है। जब दैनिक समाज जागरण ने रिस्स कर्मचारियों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि अफसर अली का विवाद कई बार जूनियर डॉक्टरों से भी हो चुका है। डॉक्टरों द्वारा काम करने को कहने पर अक्सर टालमटोल करना, अर्जेंट लिखकर जांच के लिए भेजने के बाद भी मरीजों को वापस लौटा देना उसकी आदत थी। अपने निवास के आसपास लोगों ने बताया कि इनके गाड़ी के चालक की रईसी इतनी थी कि एक अपार्टमेंट तक खरीद ली। टाट वाट भी रईस से कम नहीं थी चालक की। पूरे परिवार में लोग हर पार्टी से जुड़े होने के कारण इन्हें किसी चीज का डर नहीं था। यही कारण है कि गलत लाइन में ये किसी से उरते नहीं थे।

## कश्मीर में G-20 बैठक, बिलावल की भारत यात्रा का ऐलान! क्या अमन बहाली से बौखला रहे आतंकी?

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर के पुंछ में गुरुवार को हुए आतंकवादी हमला जम्मू कश्मीर में जी20 बैठक और मई में होने वाली पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की भारत यात्रा से पहले हुआ है. इस हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए, कुछ दिन पहले ही इस हाई-प्रोफाइल सम्मेलन से पहले घाटी में सुरक्षा स्थिति पर एक शीर्ष-स्तरीय समीक्षा की गई थी.

एक वायरल सोशल मीडिया पोस्ट के मुताबिक, जैश-ए-मोहम्मद के एक प्रॉक्सी संगठन पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी ली है, लेकिन उसके इसमें शामिल होने की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है. खास बात यह है कि इस पोस्ट में पीएफएफ ने श्रीनगर में होने वाली जी20 बैठक को निशाना बनाने की धमकी दी है.

सेना ने कहा, हूआज, लगभग 3 बजे, राजौरी सेक्टर में भीमबेर गली और पुंछ के बीच चल रहे सेना के एक वाहन पर भारी बॉरिंग और कम दृश्यता का फायदा उठाते हुए अज्ञात आतंकवादियों ने गोलीबारी की. ग्रेनेड के इस्तेमाल के कारण वाहन में आग लग गई. इस क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स इकाई के पांच कर्मी दुर्भाग्य से इस घटना में शहीद हो गए. इनमें गंभीर रूप से घायल एक अन्य सैनिक को तुरंत राजौरी के सेना अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज चल रहा है. हमले को अंजाम देने वालों की तलाश में छापेमारी की जा रही है.

## कश्मीर में आतंकी हमले में भारत मां के 5 वीर सपूत शहीद; पाकिस्तान से संचालित संगठन PAFF ने लिया जिम्मा

के आर अरुणअखिलेश बंसल दैनिक समाज जागरण

नई दिल्ली-जम्मू कश्मीर, अलर्ट न्यूज सर्विस\* ANS) गुरुवार दोपहर 3 बजे पुंछ जिला मुख्यालय से 90 किलोमीटर दूर राजौरी सैक्टर में हाईवे से गुजर रहे सैन्य वाहन पर की गई गोलाबारी घटना के वक्त अपने कैप से वाहन में सवार होकर बीजी से भाटाधुलिया की तरफ जा रहे थे 49 राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट (फ्रवल्स 3) के 6 जवान भारी बारिश में कम दृश्यता का फायदा उठाकर किए गए हमले में 5 जवान शहीद हुए, छटा राजौरी के सेना अस्पताल में उपचाराधीन जम्मू-कश्मीर के पुंछ के भाटाधुलिया में गुरुवार को आतंकी हमले में आर्मी के पांच जवान शहीद हो गए। बताया जा रहा है कि घटना में आर्मी की एक गाड़ी में अचानक



थानक विस्फोट हुआ और आग लग गई। इसके बाद इस दर्दनाक घटना में पांच आर्मी जवानों ने मौके पर ही भारत मां को अलविदा कह दिया। हालांकि स्थानीय सूत्रों के मुताबिक शुरुआती तौर पर यह घटना मौसम की खराबी के बीच बिजली गिरने से घटी बताई जा रही थी। बाद में जब आर्मी चीफ मनोज पांडेय ने रक्षामंत्री राजनाथ सिंह को इस बारे में जानकारी दी तो सारी स्थिति साफ हो गई। उधर, यह भी जानकारी मिली है कि इस घटिया हरकत को अंजाम देने का जिम्मा पाकिस्तान आधारित आतंकी संगठन PAFF ने ले लिया

## बिजली विभाग के कनीय अभियंता को हम पार्टी के उम्मीदवार रहे श्रवण भुइयां एवं इनके गुर्गों ने बीच सड़क पर पीटा।

दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो रिपोर्ट ~ओरंगाबाद



दीर्घा अधिकारी भी दिन के उजाले में सुरक्षित नहीं रहे नेता विधायक प्रतिनिधि बीच सड़क पर आए दिन पीटने और मिटाने की मामला लगातार सुर्खियों में आते रहा है ऐसा

ही मामला कुटुंबा प्रखंड के विद्युत विभाग में पदस्थापित कनीय अभियंता प्रिय रंजन निराला एवं अन्य कर्मियों को हम पार्टी से कुटुंबा विधानसभा से पूर्व विधायक उम्मीदवार सरवन भुइयां एवं उनके गुर्गों ने बीच सड़क पर मारपीट की गई बिहार में अब कानून का राज खत्म हो गया लोगों में पुलिस नाम का भय नहीं रहा। जिसे तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है घटना की वीडियो भी लोगों ने बनाया है जिसमें विधायक उम्मीदवार एवं इनके गुरुद्वारा सारे आम अधिकारियों की पिटाई की जा रही है।

कुटुंबा प्रखंड के विद्युत विभाग के कनीय अभियंता प्रियरंजन निराला ने अंबा थाने को लिखित बयान देकर कुटुंबा विधानसभा से 2020 हम पार्टी से विधायक उम्मीदवार रहे श्रवण भुइयां एवम उनके, गुर्गों द्वारा बीच सड़क पर सारे आम जान मारने की नियत से मारपीट करने, गाली-गलौज करने सम्बन्धित का मामला दर्ज करवाया है जिसमें परता पंचायत के पैक्स अध्यक्ष योगेंद्र मेहता उर्फ जोगी, नवनीत राय, श्याम बिहारी राय, ग्राम परता, शंकर यादव, सुरेश कुमार सहित 10 अज्ञात

अंबा थाना कांड संख्या 90 / 0 23 के तहत मामला दर्ज। कुटुंबा विधानसभा से हम पार्टी के उम्मीदवार रहे श्रवण भुइयां, परता पंचायत के पैक्स अध्यक्ष योगेंद्र मेहता उर्फ जोगी सहित पांच नामजद एवं 10 अज्ञात के विरुद्ध अंबा थाने में मामला दर्ज।

लोगों को अभियुक्त बनाया है घटना का उल्लेख करते हुए कनीय अभियंता ने बताया कि, हम सभी विद्युत कर्मी विद्युत चोरी रोकने के उद्देश्य से, अपने परवेश, विवेक कुमार एवं रवि कुमार के साथ मानव बल के सहित अंबा थाने के परता पंचायत अंतर्गत भालूवाड़ी खुर्द में बिजली चोरी रोकने हेतु छापेमारी करने गया था, तभी सफेद गाड़ी से उक्त अभियुक्त आए और मेरे साथ जान मारने की नियत से मारपीट करने लगे, जिससे सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई है। हम सभी घायल हो गए हैं जिसकी इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुटुंबा में कराया गया है। उक्त मामले को अभियुक्तों के विरुद्ध अंबा थाने में प्राथमिकी दर्ज किया गया है और अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है।

## भाजपा नेता डा.अशोक यादव का बड़ा दावा: जेडीयू के दर्जन भर विधायक लड़ना चाहते हैं भाजपा से चुनाव

अररिया। साल 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में सियासत तेज हो गई है। हाल ही में हिन्दुस्तानी आवाज मोर्चा के मुखिया और जीतन राम मांझी ने बड़ा बयान देते हुए कहा था कि अब फैसला लेने का वक्त आ गया है वहीं वरीय भारतीय जनता पार्टी के नेता डा. अशोक यादव ने दावा किया है कि जेडीयू के दर्जनों विधायक कमल पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। भाजपा नेता अशोक बाबू ने पीएम मोदी

के 'मन की बात' कार्यक्रम के 100 एपिसोड पूरे होने को लेकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि जदयू का अस्तित्व खत्म हो चुका है। जदयू अब डूबता जहाज है, जिस पर कोई सवार होना नहीं चाहता है। जदयू के दर्जनभर से ज्यादा विधायक भाजपा में शामिल होना चाहते हैं जदयू अब खत्म हो चुकी पार्टी है, जल्द राजद भी जदयू से गठबंधन तोड़ लेगी। नीतीश कुमार का इकबाल अब खत्म हो चुका है और राज्य की कानून व्यवस्था भगवान भरोसे है जो उनसे नहीं संभल रही



है। पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर डा. अशोक यादव ने कहा कि 30 अप्रैल को पीएम मोदी को 'मन की बात' कार्यक्रम में नया रिकॉर्ड बनेगा बिहार के सभी विधानसभा क्षेत्र में बूथों पर 'मन की बात' का सुना जाएगा।

## अभियान बिना मान्यता के चल रहे सैकड़ों स्कूल, विभाग बना उदासीन, वर्षों से संचालन जारी

शंकर सिंह, समाज जागरण

लक्ष्मणपुर (बलिया) : प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने हेतु सरकार नित नए प्रयोग कर शिक्षा की गुणवत्ता और पढ़ने के लिए समुचित माहौल का निर्माण करते दिखाई दे रही है। शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर कायाकल्प योजना के माध्यम से प्राथमिक विद्यालय को मजबूत किया जा रहा है। परंतु शासन की मंशा के विपरीत विभागीय उदासीनता की वजह से अवैध स्कूलों का संचालन भी लोगों के लिए समस्या का सबब बना हुआ है। शिक्षा क्षेत्र सोहांव की बात करें तो यहां धरातल पर हजारों की संख्या में अवैध विद्यालय चल रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे से लेकर दूरदराज के ग्रामीण इलाकों में इनकी उपस्थिति देखी जा सकती है। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से मिली सूचना के मुताबिक पूरे शिक्षा क्षेत्र में 96 विद्यालयों को मान्यता दी गई है। परंतु धरातलीय स्थिति यह है कि मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या से दस गुना विद्यालय संचालित हो रहे हैं। स्थिति यहां तक है कि किसी विद्यालय द्वारा 5वीं तक की मान्यता लेकर 8वीं तक विद्यालय संचालित करना, एक नाम से मान्यता लेकर कई विद्यालय खोल लेना, चार कमरों और टीन शेड में बेंड की तरह भरकर बच्चों को पढ़ाना इन विद्यालयों की सच्चाई बयां करने के लिए



काफी है। इन अवैध विद्यालयों में बच्चों और अभिभावकों का पूरी तरह से आर्थिक दोहन भी किया जा रहा है। बीआरसी सोहांव में नियुक्त अधिकारियों को इन विद्यालयों की जांच का करना इस बात को बल देता है कि कहीं न कहीं इसमें इनकी भूमिका भी संदिग्ध है। क्योंकि बिना मिलीभगत के राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे दशकों से संचालित विद्यालयों पर इनकी नजर नहीं पहुंच पाती। इस संबंध में जब खंड शिक्षा अधिकारी लालजी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव में ड्यूटी की वजह से व्यस्तता है। चुनाव ड्यूटी से मुक्त होने के बाद इनकी जांच करार उचित कार्यवाही की जाएगी।

## तीन दिवसीय "स्वर्गीय एमएसगाँधी" ट्रॉफी का आयोजन बिलाबोंग स्कूल सैक्टर -34 में

समाज जागरण डेस्क नोएडा

खेल संवाददाता नोएडा सैक्टर 34 बिलाबोंग स्कूल में चल रहे तीन दिवसीय ह्रस्वर्गीय एम एस गाँधी ट्रॉफी प्रतियोगिता के टेबल टेनिस गेम में इण्डसवेली स्कूल की छात्रा स्वास्ति विष्ट ने अण्डर-13 वर्ग कैटेगरी में सिल्वर मैडल पर कब्जा किया। लोटसवेली इण्टरनेशनल स्कूल नोएडा ने अण्डर 15 बालिका वर्ग में सारहा धिंगरा ने स्वर्ण मैडल, अंडर- 13 बालक वर्ग



में चित्राक्ष अरोरा सिल्वर मैडल, अंडर- 11 बालक वर्ग में अरहम चौधरी ने सिल्वर मैडल, पर कब्जा किया, व अंडर -11 बालिका वर्ग में विश्वभारती

## सऊदी अरब में जुमे के दिन तो भारत में शनिवार 22 अप्रैल को मनाया जाएगा ईद उल-फित्र : फिरोज आलम नदवी

सऊदी अरब में शुक्रवार, 21 अप्रैल को ईद उल-फित्र मनाया जाएगा और दूसरे दिन 22 अप्रैल शनिवार को भारत में खुशियों का त्योहार ईद होना लगभग तय है। उक्त बातें फैसल एजुकेशनल सोसायटी शंकरपुर के चेयरमैन जनाब फिरोज आलम नदवी ने कही। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब की मीडिया के अनुसार,

शव्वाल का चाँद देखा जा चुका है, इसलिए शुक्रवार को ईद उल-फित्र की घोषणा की गई है। मुस्लिम समुदाय के लोग, रमजान में रोजा रखने के बाद शव्वाल की पहली तारीख को ईद मनाते हैं। अक्सर, सऊदी अरब में ईद उल-फित्र भारत से एक दिन पहले मनाया जाता है। जनाब भाई फिरोज ने सभी देशवासियों को ईद



की अग्रिम शुभकामनाएं व दिली मुबारकवाद दी है।

## आज की ग्लोबल व्यवस्था में भी चीन अपने पूर्वजों की तरह लूटेरा,।।

**दैनिक समाज जागरण**  
आधुनिक विश्व में जहां चीन आज भी अपने पूर्वजों से सीख नहीं ली है। आज की ग्लोबल व्यवस्था में भी चीन अपने पूर्वजों की तरह लूटेरा, सनकी बीबी तथा ताकत की तानाशाही की प्रकृति से उबर नहीं पाई है। उन्हें आज भी दुनिया बहसी, दरिद्रे तथा चीन की तानाशाही मिटाने के लिए एकजुट है जैसा लगता है। जबकि चीन को याद होना चाहिए कि सिर्फ वही एक अकेला राष्ट्र नहीं जो अपनी आजादी में रक्त बहाए हैं। अगर देखा जाए तो विश्व में आजादी के लिए कोई राष्ट्र सबसे ज्यादा कुर्बानियां दी है वह अकेला राष्ट्र है "इंडिया"। अगर चीन के अंदर सचमुच तानाशाही के अलावा राष्ट्रभक्त भी जीवित है। तो वह इंडिया की इतिहास से पढ़ें, पता चल जाएगा कि आजादी के लिए किसने सबसे ज्यादा लहू की महासागर बहाया था। आप इसे नहीं समझ सकते क्योंकि आपकी राष्ट्रभक्ति के दायरे ऐसे हैं कि वहां से सिर्फ अपना राष्ट्र ही दिखता है। बाकी के मुल्कों की संप्रभुता सिर्फ लकीरें हैं। और मातृभूमि दूसरों की मामूली जमीन के टुकड़े हैं। अरे! जिसे जमीन समझ रहे हैं। उसे मिट्टी के टुकड़े समझते शायद मिट्टी की अहमियत समझ आती। संप्रभुता से पहचान होती। मगर आप अपनी ताकत का, विकास का ऐसा चर्बी आंखों में भर रखा है। की मित्र बना दुश्मन बना, आप कौन पराया कौन कुछ भी नहीं दिखती बस कभी हमें शोषण की गई थी तो फिर हम भी उन्हीं की तरह आज ताकतवर है सीमा विस्तार क्यों नहीं कर सकते। अरे! भैया यह 19वीं सदी नहीं 21 वीं सदी है। ग्लोबल विश्व में हर कोई सब जानता है। हूँ हंसी आती है बात भले पुरानी हो मगर सत्य तो सत्य है। तुम तो साम्राज्यवादियों से भी चार कदम आगे निकले। साम्राज्यवादी "उपनिवेश" बनाया और तुमने अपनी नीतियों में "उपनिवेश" संबोधन शब्द हटा दिया और जोड़ दिया "गुलामी"। यह कहाँ का और कैसा तुम्हारा सोचने की तरीके हैं। तथा संप्रभुता तोड़ने के अपने जनधन पाप को छुपाने हेतु दूसरों की इतिहास उनसे भी खेल जाते हो। साम्राज्यवादी विचारधारा की ग्लोबल सेंटर अमेरिका भी मानवता की एक सीमा को समझती, तथा मानती भी है मगर आप तो साम्राज्यवादी लकीरों को भी बौना कर चुके हैं। जहाँ मानव, मानवता की कोई जगह नहीं।

बस दुनिया में लोग मरते हैं तो मरे। कटते हैं तो कट जाए। कोई फर्क नहीं। हम तो खुश हैं। जी जरा ठहर ये यही आप मात खा गए। क्योंकि आपने जब दूसरों की इतिहास अों के साथ खिलवाड़ कर रहे थे। तब यह भूल गए कि ताकत के दम पर लक्ष्मी को गुलाम बनाया जा सकता है। परंतु इतिहास के ऊपर धन नहीं "सत्यमेव जयते" के तहत स-रस्वती चलती है। इतिहास की सच्चाई को भले ही ताकत तथा धन के दम पर कुछ समय अवधि तक छुपाई जा सकती है। लेकिन हादसों की सच्चाई को हमेशा हमेशा के लिए दफना ही नहीं जा सकती क्योंकि इतिहासकारों की मानें तो जब समय का पहिया घूमता है तो इतिहास की सच्चाई कब से निकलकर जिंदा हो जाती है। जिस दिन ऐसा होता है जिस दिन ऐसा हो जाता है इतिहास इस सच को अपने मरे होने के बावजूद सम्मानित, शानदार, जानदार, दमदार, ताकतवर जगह दे देती है। कई उदाहरण पड़े हैं

विश्व में ऐसे की जब न्याय की बात विश्व में आई इतिहासो के अनगिनत सच्चाई जमीन फाड़कर अपना स्थान पाया। ताकतों पीढ़ियों का खेल है जो एक सा हर पीढ़ी के पास नहीं रहती। उ-दाहरण के तौर पर सन 1962 ईस्वी की इतिहासो को आपने अपनी सुविधा अनुसार तोड़ मरोड़ कर पेश किया। जो सरकार गलत है। कहा जाता है की 19वीं सदी आधुनिक युग में कुछ भी छिपा पाना संभव नहीं। अगर यह सही है तो सन 1962 ईस्वी की चाइना द्वारा सुनियोजित साजिश के तहत इंडिया पर की गई हमले की इतिहास के साथ छेड़छाड़ तथा अशुभी क्यों लिखी गई। ताज्जुब की बात है कि विश्व विरादरी बिना सत्यापन किए, चाइना द्वारा लिखित इतिहास को सही मान लिया। क्या है यह कसूर चाइना की महिमा मंडल के लिए सत्य को नजर-अंदाज ही गई। इंडिया की सादगी तथा संप्रभुता की सत्यता को पचा नहीं पाई दुनिया। चलो कोई बात नहीं! हर राष्ट्रों की अपनी-अपनी विवशता है। अपनी अपनी समस्या है। वाह ! रे लोकतंत्र। जरूरत पड़ने पर हर राष्ट्र तेरी दु-हाई देते हैं। और जरूरत पड़ने पर तेरी 1962 की भी सौदा कर देते हैं। 1962 ईस्वी में जहां पूरी दुनिया शीत युद्ध के कारण दो फार में बैठी थी कोई भी छोटी घटना कभी भी दुनिया की सबसे बड़ी त्रासदी विश्व युद्ध में बदल जा सकती थी। ऐसा नहीं कि हम भयावह स्थिति में भी शांति के प्रयास नहीं किए जाते थे मगर काल में चीन अपनी साम्राज्यवादी नीतियों का विस्तार भी किया और उस घटनाक्रम के इतिहास के साथ छेड़छाड़ भी की। ताज्जुब की बात चाइना को कोई ऐसा करने से रोकना तो दूर टोकना को भी अपनी दायित्व नहीं समझा। 1962 ईस्वी में चाइना की करतूत देखिए। उसने सर्वप्रथम इंडिया को अपना भाई कहा। भाई के लिए हर त्याग हर लड़ाई में साथ साथ रहने का वादा किया। हिंद के एक ही पिता के दो भाई कि गुणगान की। इंडिया के साथ लड़ाई लड़ने से हाथ तौबा की और जैसे ही इंडिया भाई के प्रेम के रास्ते पर चली। वही कल तक एक थाली के दो भाई की गुणगान करने वाला चीन कमबख्त पीठ पर छुड़ा (चाकू) गोप दी। खुद मारी इंडिया के पीठ पर चाकू और इतिहास में इंडिया को ही साम्राज्यवादी होने का आरोप लगा दिया जिससे दुनिया की सहानुभूति इंडिया को ना मिल पाए। इसलिए इतिहास के पन्नों को भी बदल दी गई गुण मिलान उस समय इंडिया की घाव जैसे की तन से मिट जाने के बावजूद मन में एसी पीड़ा की दर्द मिटती ही नहीं। वेंटिलेशन पर पड़ी हमारी इंडिया जब इस घाव के दर्द से ही नहीं उबर पाई थी तब इतिहास किसके द्वारा लिखी जा रही थी उसे देखने की ओकात कहा। उसमें शब्द क्या भरे जा रहे हो इतनी इल्म कहां। जिसका नाजायज फायदा चीन ने उठा ली। इस विवाद की विषाद बिछाकर कि वे जमीन जिन्हें उसने इंडिया से छीनी है वह चीन की थी। इंडिया उसे कब्जा किए हुए था। जबकि यह सच्चाई नहीं इतिहास की। यह तो साम्राज्यवादी तथा लुटेरा शब्द चाइना के माथे ना लगे इसलिए यह चाइना की एक तरफा पक्ष है। जबकि सच्चाई यह है कि चाइना की सिसायत दो कमरों में बैठकर बनाई गई है। 1962 ईस्वी समय काल में भारत

तुरंत तुरंत ही आजादी पाई थी गुलामी का ऐसी दर्द सेइंडिया गुजरी थी कि आजादी मिलते ही पार्टीशन हो गए। रक्त ना रहे इसके लिए पार्टीशन हुई फिर भी चारों तरफ रक्त बहते रहने की माहौल में आजादी का सूरज दिखा। और तुरंत चीन ने भी इंडिया को इस लाचारी का फायदा उठा लिया जमीन भी हड़पी इंडिया की, शमशान बनाया इंडिया को। साथ ही साथ इतिहास के पन्नों में इंडिया को ही कटघरे में खड़ा कर दिया। 1962 ही चीन ने जब देखा कि इंडिया अपने विकास रथ में राष्ट्रवाद का प्यूल भर रही है पचा नहीं पाया। झोंक दी इंडिया को एक युद्ध में। ताकि इंडिया टूटे कमजोर हो। इंडिया के नेतृत्व करता चाइना की दोगली नीति समझ नहीं पाए। जिसकी कीमत इंडिया को अपनी जमीन खो कर चुकानी पड़ी। इंडिया 1947 ईस्वी की आजादी उपरांत सैन्य ताकत से मुंह मोड़ विकास की रास्ते पर चल पड़ी। चीन जान चुका था कि इंडिया की फौज कमजोर है बस क्या था। 20 अक्टूबर 1962 को हमला कर दी। सुखी इंडिया इसलिए ना मानसिक रूप से तैयार थी फिर भी 25 से 50 गोलियां लेकर इंडिया के सपूतों ने उनका डटकर मुकाबला किया जहां चीन की सैनिक 25 से 50 गोलियां चला कर हथियारों की क्षमता कर चली वही इंडिया के बेटे 25 से 50 गोलियां तथा 56 इंच का सीना गोलियां वजीर लेने को फुला कर युद्ध किया। सब जानते थे कि यह युद्ध तो एक शेर तथा बकरी के बच्चे मेमनो की तरह ही है। जहां बेचारी इंडिया के साथ जन धन की हानी हो रही है। फिर भी इंडिया के सपूतों ने चीन के गोलियों का जवाब अपने अपने सीने को आगे कर की। उनके साथ ही युद्ध की सप्लाई लाइन भी इंडिया विकसित नहीं कर पाई थी। युद्ध लड़ने के लिए हथियार तथा भोजन सैनिकों को पहुँचा कराने पहलना प्राथमिकता होती है जो इंडिया की नहीं थी क्योंकि चीन तो हमें मार दे मगर हम मां के सपूत तुम्हारे हवाले छोड़ कर अपनी धरती को पीछे नहीं जाएँगे। इस सोच को जिंदा रखने हेतु कई कई दिनों तक हमारी भूखी फौज अपने चमड़े की बेल्ट अपनी ही शहीदों की कच्चे मांस तक को खाना मंजूर की ताकी वह उस समय तक जीवित रहे तब तक निर्दई चाइना के हमलावर गोली ना मार दे। भारतीय फौज हमेशा अजय रही है। हमारे पास हथियार नहीं तो क्या। हम पर कर्ज तो जरूर है मातृभूमि का बिरंगी हो जायेंगे मगर पीठ नहीं दिखाएँगे। कायरता की कलंका को माथे पर नहीं लगने देंगे। ऐसा पापी राष्ट्र चाइना जिसके पास मानवता नाम की कोई चीज नहीं। वह इस बरबर नरसंहार को अपने युद्ध जीतने की गाथा गढकर सुनाती है। जरूरत पड़ने पर दुनिया को 1962 ईस्वी की अपनी जीत का घौंस देती है। ऐसा कब तक चलेगा इतिहास के साथ छेड़छाड़। ऐसा अपराध को बंद करनी होगी। वरना हर युग में संप्रभुता के कारण युद्ध के काले बादल मंडराते रहेंगे।



दैनिक समाज जागरण

सरजी, चार-पांच दिनों से कहाँ चले गये थे!! सुना कि आपकी तबियत ठीक नहीं थी!!!-- मास्टर साहब बैठते हीं पुछ़ दिसे!

मास्टर साहब, बेटा मेरे इलाज के लिए

बनारस ले गया था लेकिन वहाँ हास्पिटल में जिस न्यूरोलॉजिस्ट से दिखाना था उसके यहाँ इतनी लम्बी लाइन लगी थी कि दो दिनों के बाद अवसर मिला! वही हाल बनारस से वापस आते हुए, ट्रेन में.. इतनी भीड़ थी कि पुछ़िये मत!-- मैं थका सा!

लिजिये दो दिन हुए, संयुक्त राष्ट्र संघ ने जनसंख्या संबंधित वैश्विक आंकड़ा प्र-काशित किया है! जिसके अनुसार जून 2023 तक हम विश्व चैम्पियन हो जायेंगे! मतलब दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश!!-- कुंवरजी ने बात पकड़ी!

सही कहा कुंवरजी ने,मैं भी पढ़ा हूँ। भारत की आबादी 142 करोड़ 86 लाख और हमारी तुलना में चीन की 142 करोड़ 57 लाख रहेगा! 1950 तक भारत की आबादी मात्र 36 करोड़ थी और चाइना की 55 करोड़, वहीं अमेरिका की 14 करोड़ 80 लाख लोकन आज! हम कहाँ और वो कहाँ !!-- सुरेंद्र भाई, चिंतित लगे!

ए भाई, इ सुनके त हमार माथा घुमे लागल! अबहीं इ हाल बा त, आगे का होई!!-- मुखियाजी गंभीर थे!

आज से 77 साल बाद जनसंख्या की स्थिति पर थिंक टैक, मतलब पिउ रिसर्च सेंटर ने एक अनुमानित आंकड़ा दिया है कि 2100 तक चीन की आबादी मात्र 76 करोड़ रहेगी लेकिन भारत टॉप पर ही रहेगा! प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार भारत की आबादी विश्व की तुलना में 17 दशमलव 77 प्रतिशत वहीं चीन की 17 दशमलव 88, जबकि जून के बाद भारत आगे हो जायेगा! 2100 तक विश्व के परिप्रेष्य में भारत का 15 प्रतिशत तो चीन का 7.1 प्रतिशत रहेगा! भारत के संदर्भ में, एक और आंकड़ा है-- 2040 तक 18 वर्ष और उससे कम आयु की जनसंख्या 43 करोड़ 50 लाख, 19 से 40 वर्ष के बीच की जनसंख्या 53 करोड़,40 से 60

बर्ष की जनसंख्या 42 करोड़ 50 लाख, जबकि 60 और उपर के आयु की जनसंख्या 25 करोड़ के आसपास रहेगी!-- मास्टर साहब ने आगे की कही!

इसबीच भतिजा चाय का ट्रे रख गया और हम सभी चाय की चु-रिक्तियों के साथ आगे बढ़े....

मास्टर साहब, सबसे शोचनीय बात तो ये है कि लगभग 18 प्रतिशत जनसंख्या लेकिन हमारे पास विश्व का मात्र 2.5 प्रतिशत जमीन है!-- डा. पिंटू बहुत देर बाद!

बस! अतने बा!! ए भाई हईसे जनसंख्या बढ़ी त आगे का होई! एक त असहीं जनसंख्या बढ़ला से पर्यावरण खराब होता! बे समय बारिश आ ओला पड़ी के फसल नष्ट हो जाता! देखते बानी जा कि, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान में लोग भूखे मरता! अब आगा हमरो देश में उहे लउकी का !!-- मुखियाजी घबड़ाये लगे!

मुखियाजी, जनसंख्या विस्फोट से हर क्षेत्र में असंतुलन तो होगा हीं! मूलभूत आवश्यकताओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ेगा! माल्थस ने सच कहा है कि "जनसंख्या में वृद्धि गुणक में होता है लेकिन संसाधनों में संख्या के क्रम में"!



आज, देख नहीं रहे! जीवन के हर क्षेत्र में, जन्म से लेकर मृत्यु तक,लम्बी-लम्बी लाइनों में लगना पड़ रहा है,चाहे अस्पताल हो या स्कूल,बैंक हो या ट्रेन, राशन दुकान हो या गैस सिलेंडर! हमारे यहाँ की भीड़ देखकर विदेशी आश्चर्य करते हैं! पिछली बार जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आये थे तो वापस जाकर उन्हीने स्टेटमेंट दिया था कि " मेरे स्वागत में इतनी भीड़ थी कि मैं अपने जीवन में देखा हीं नहीं!"! -- पारस नेता अपनी चुप्पी तोड़े!

लेकिन एक बात है!-- पिंटू जी मुस्कराये!

उ का डाक्टर साहब!!-- मुखियाजी प्रश्नवाचक मुद्रा में!

अब भारत बड़ी जनसंख्या के चलते, चीन को पछाड़ कर दुनिया का सबसे बड़ा मार्केट बन रहा है! अब विश्व की बड़ी-बड़ी, कंपनियां भारत में निवेश कर हीं

हैं! यहाँ उन्हे मैंन पावर भी सहज हीं उपलब्ध है! सबसे अहम-बात की हमारे देश में युवाशक्ति पुंज है और इतिहास

कहता है कि जिस देश की जनसंख्या में युवा अधिक थे वे देश हीं विकसित देश बने हैं जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप आदि! तो हमारे लिए ये एक अवसर भी हो सकता है!--उमाकाका ने साकारात्मक रुख दिखया!

कुछे कहीं इ जनसंख्या विस्फोट आ सीमित नेतृत्वकर्ताओं ने इस समस्या को नजर-अंदाज किया! राजनीति को धर्म से, पर्सनल लां से जोड़ा गया और भविष्य में कैसे आबादी के आधार पर अपनी सत्ता बचायी रखी जा सकती है, इसपर, खासतौर पर फोकस किया गया! राजनीतिज्ञों ने तो एक विशेष वर्ग की जनसंख्या कैसे बढ़े और एक वर्ग विशेष की जनसंख्या कैसे सीमटे इसपर सारा फोकस रखा! खैर ये तो राजनीति की बात है! हमारे यहाँ इस, विकराल हो रही समस्या के प्रति न्यायालय ने भी स्वतः संज्ञान नहीं लिया! जबकि वही न्यायालय आज समलैंगिक विवाह को मान्यता देने की याचिका पर केंद्र सरकार और भारतीय समाज की मान्यताओं के विपरीत संज्ञान ले रहा है!!-- मैं चुप हुआ!

ए सरजी, आजादी के बाद कांग्रेस ने तो परिवार नियोजन की योजना के माध्यम से जनसंख्या नियंत्रण करने का प्रयास तो की थी!-- सुरेंद्र भाई ने याद दिलाया!

हॉं, आजादी के बाद बस हिंदूओं की जनसंख्या नियंत्रण के प्रयास किये गये! जिसके तहत हिन्दू कोर्ट बिल लाया गया जिससे हिन्दू, एक से अधिक विवाह न कर सके जबकि मुस्लिमों को चार-चार शादियों की छूट रही और उनमें जबरदस्त जनसंख्या बढ़ावती हुई! परिवार नियोजन भी सिर्फ

इश दी थी, युग का युवा मत देख दाएं बाएं, झांक मत बगले, अगर कुछ देखना है, देखअपने वे वृषभ कंधे, जिन्हें देता चुनौती, सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ। (यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए। क्योंकि भारत का 60% युवा इस देश में युग परिवर्तन और भारत की दशा और दिशा को अभिप्रेरित कर सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा है कि खुद वो बदलाव बनिए, जो दुनिया में आप में देखना चाहते हैं।



प्रोफेसर राजेंद्र पाठक (समाजशास्त्री)

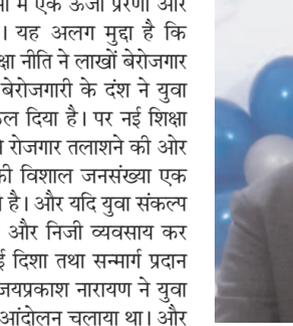
### युवाओं के देश भारत को अब विश्व में अग्रणी होने के लिए दिशादर्शन देना होगा।

## भारत विश्व का सबसे बड़ा युवा देश

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्रोत रहे हैं।उन्हीने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊजावान युवा पुष्प मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूँ। स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और कर्तव्यों से युवा ऊजावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैं और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया है' स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थी' स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रामक कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा, पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है। कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है। भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म,साहित्य, विज्ञान,कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन इमानदारी से अपना परचम फैलाया है।मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा

राष्ट्र है।और उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि देखो हमारा विश्व में कोई नहीं उपमान था, नरदेव थे हम और भारत देवलोक के समान था" भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई, एम, आई,आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और हृद संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है। यह अलग मुद्दा है कि स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति ने लाखों बेरोजगार लोगों को जन्म दिया है। बेरोजगारी के दर्श ने युवा शक्ति को काफ़ी पीछे धकेल दिया है। पर नई शिक्षा नीति के आने से युवा अपने रोजगार तलाशने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की विशाल जनसंख्या एक बड़ा रुकावट का कारण भी है। और यदि युवा संकल्प लें तो अपना निजी उद्योग और निजी व्यवसाय कर के भारत राष्ट्र को एक नई दिशा तथा सन्मार्ग प्रदान कर सकते हैं। 1979 में जयप्रकाश नारायण ने युवा शक्ति को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया था। और बिहार में सत्ता परिवर्तन की हुआ था। हरिवंश राय बच्चन ने भी अपनी कविताओं में युवाओं को समझा-

इश दी थी, युग का युवा मत देख दाएं बाएं, झांक मत बगले, अगर कुछ देखना है, देखअपने वे वृषभ कंधे, जिन्हें देता चुनौती, सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ। (यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए। क्योंकि भारत का 60% युवा इस देश में युग परिवर्तन और भारत की दशा और दिशा को अभिप्रेरित कर सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा है कि खुद वो बदलाव बनिए, जो दुनिया में आप में देखना चाहते हैं।



संजीव ठाकुर, स्तंभकार, चित्तक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,



















